आदर्श प्रश्न पत्र

विषय- हिन्दी कक्षा-बारहवीं

प्रश्न 01- निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1x10=10

जो वस्तु जितनी ध्वंसकारिणी होती है, उसमें सर्जनशक्ति भी उतनी ही छिपी रहती है। समाचार-पत्र जहाँ पल-भर में किसी भी राजसत्ता को ध्वंस कर सकता है, यहाँ उसमें यह भी शक्ति है कि यह किसी नवोदित राष्ट्र का सुपड़ सर्जन भी कर सके। समाचार-पत्र की शक्ति के इस पहलू को समझने के लिए हमें प्रथम यह देखना है कि राष्ट्र-निर्माण के लिए किन शक्तियों, प्रवृत्तियों और अवयवों की आवश्यकता है। देखा यह गया है कि तानाशाही कभी भी किसी चिरंतन व्यवस्था-युक्त राष्ट्र का निर्माण नहीं कर पाई है। स्वाभाविक बात है कि समाज के निर्माता जिन निर्माणकारी हितों की पहचान सकते हैं. साधारण जनता उन्हें उतनी शीघ्र नहीं पकड़ पाती। जनसाधारण की इसी दीर्घसूत्रता से निराश होकर महानुभाव सुधारों को जबरदस्ती लादकर राष्ट्र निर्माण करने की योजनाएँ बनाते हैं। वे निर्माण का सारा उत्तरदायित्व अपने पर ही लेते हैं। जनशक्ति पर विश्वास न करके, फेवल सत्ता के आदेश और शक्ति पर विश्वास करते हैं। ठीक है, राष्ट्र का निर्माण इस चोति से भी होता है। किंतु वह बहुत ही अस्थायी और अस्वाभाविक होता क्योंकि निर्माण का भार संभालने वालो मूलशक्ति जनमानस हुआ करती है। तानाशाह जनमानस के जागरण को कोई महत्त्व नहीं देता। उसका निर्माण ऊपर से चलता है। किंतु यह लादा हुआ भारस्वरूप निर्माण हो जाता है। सच्चा राष्ट्र निर्माण यह है, जो जनमानस की तैयारी पर आधारित रहता है। योजनाएँ शासन और सत्ता बनावें, उन्हें कार्यरूप में परिणत भी करें; किंतु साथ ही उन्हें चिर-स्थायी बनाए रखने एवं पूर्णतया उद्देश्य पूर्ति के लिए यह आवश्यक है कि जनमानस उन योजनाओं के लिए तैयार हो। स्पष्ट शब्दों में हम कह सकते हैं कि सत्ता राष्ट्र निर्माण रूपी फसल के लिए हल चलाने वाले किसान का कार्य तो कर सकती है, किंतु उसे भूमि जनमानस को ही बनानी पड़ेगी। अन्यथा फसल या तो हवाई होगी या फिर गमलों की फसल होगी; जैसा आजकल 'अधिक अन्न उपजाओ' आंदोलन के कर्णधार भारत के मंत्रिगण कराया करते हैं। इस फसल को किस-किस बुभुक्षित के सामने रखेगी शासन-सत्ता? यह प्रश्न मस्तिष्क में चक्कर ही काटा करता है। इस विवेचन से हमनें राष्ट्र निर्माण में जनमानस को तैयारी का महत्त्व पहचान लिया है। यह जनमानस किस प्रकार तैयार होता है ? इस प्रश्न का उत्तर आपको समाचार-पत्र देगा। निर्माण-काल में यदि समाचार पत्र सत्समालोचना से उतरकर ध्वंसात्मक हो गया तो निश्चित रूप से वह कर्तव्यच्युत हो जाता है। किंतु सत्समालोचना निर्माण के लिए उतनी ही आवश्यक है, जितना निर्माण का समर्थन। जनमानस को तैयार करने के लिए समाचार-पत्र किस नीति को अपनाएँ? यह प्रश्न अपने में एक विवाद लिए हुए है; क्योंकि भिन्न-भिन्न समाचार- पत्र भिन्न-भिन्न नीतियों को उद्देश्य बनाकर प्रकाशित होते हैं। यहाँ तक कि राष्ट्र निर्माण की योजनाएँ भी उनके मस्तिष्क में भिन्न-भिन्न होती हैं। इसके लिए हमारा उत्तर यही हो सकता है कि समाचार पत्र का मूल कार्य सत्यों को प्रकाशित करना है। इन सत्यों के प्रकाशन में किन्हें लिया जाए और किन्हें छोड़ा जाए, यह अवश्य पत्र की नीति पर निर्भर करता है, किंतु इस नीति में राष्ट्रहित अवश्य होना चाहिए। यह राष्ट्रहित प्रगतिशील हो, प्रतिक्रियावादी नहीं, क्योंकि जिस प्रकार ईश्वर एक है, उसी प्रकार सत्य भी एक ही है।

क- जो वस्तु जितनी ध्वंसकारिणी होती है, उसमे सर्जन शक्ति भी उतनी ही छिपी रहती है, स्पष्ट करें।

ख. सच्चा राष्ट्र निर्माण क्या है.

ग- जनमानस किस प्रकार तैयार होगा ? इस प्रश्न का उत्तर हमें कहाँ मिलेगा?

घ- जनमानस की तैयार करने के लिए समाचार पत्र किस नीति को अपनाएं?

ङ- समाचार पत्र का मुख्य उद्देश्य क्या होना चाहिए?

च- गद्यांश का उचित शीर्षक दें।

छ- तानाशाह जनमानस के जागरण को महत्व देते हैं। हाँ /नहीं

ज. सत्यों के प्रकाशन की नीति में राष्ट्रहित होना चाहिए। (सही /गलत)

झ. निम्नलिखित शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग को अलग करें। (प्रतिक्रियावादी)

ञ. निम्नलिखित शब्द में से प्रत्यय अलग करें। (अभारतीय)

प्रश्न 2 (क) हिन्दी में स्वर और व्यंजन कितने हैं? 1x2=2

(ख) वर्ण की परिभाषा दीजिए।

प्रश्न 3- (क) निम्नलिखित शब्दों में सन्धि विच्छेद कीजिए (कोई-2) 1x2=2

(देवालय, परमार्थ, महोदय, अत्यंत)

(ख) निम्नलिखित की सन्धि कीजिए। (कोइ-2) 1x2 =2

एक+एक, देव + ऋषि, नर + उत्तम, महा+ईश

प्रश्न 4 निम्नलिखित के समास-विग्रह कीजिए। (कोई-2) 1x2=2

चौराहा, विद्यालय, शरणागत, पथभ्रष्ट।

(4) निम्नलिखित शब्दों में समास का नाम लिखिए (कोई-2) 1x2 =2

दशानन, षटऋतु , देश-भक्ति, देवालय।

प्रश्न 05- (क) निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइये (कोई-2) 1x2=2

अभि, अव, सु, बिन।

प्रश्न 6 - निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर भाव पल्लवन लिखिए। (1x5=5)

(क)- करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।

(ख)- परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।1x5=5

प्रश्न 7- प्रगतिवादी काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

प्रयोगवादी काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (1x5=5)

प्रश्न 8- भारतेन्दु युग के काव्य की कोई दो विशेषताएँ लिखें।

अथवा

छायावाद की भाषा तथा प्रकृति-चित्रण पर नोट लिखें। 2×1=2

प्रश्न 9- निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या करें।

यह पुण्य भूमि प्रसिद्ध है, इसके निवासी आर्य हैं।

विधा कला कौशल्य सबके, जो प्रथम आचार्य हैं।

संतान उनकी आज यद्यपि, हम अधोगति में पड़े।

पर चिह्न उनकी उच्चता के, आज भी कुछ हैं खड़े।

अथवा

साँप!

तुम सभ्य तो हुए नहीं

नगर में बसना

भी तुम्हें नहीं आया।

एक बात पूछूं (उत्तर दोगे ?)

तब कैसे सीखा डँसना

विष कहाँ पाया ?

5×1=5

प्रश्न 10- 'उनको प्रणाम तथा 'वह तोड़ती पत्थर' कविता में से किसी एक का सार लिखें। **5x1=5**

प्रश्न 11- सप्रसंग व्याख्या करें (कोई एक) **3×1=3**

भक्तिन के इस सारगर्भित लेक्चर का प्रभाव यह हुआ कि मैं मीठे से विरक्ति के कारण बिना गुड के और घी से अरुचि के कारण रूखी दाल से एक मोटी रोटी खाकर बहुत ठाठ से यूनिवर्सिटी पहुँची और न्याय सूत्र पढ़ते-पढ़ते शहर और देहात के जीवन के इस अंतर पर विचार करती रही।

अथवा

कालिदास सौंदर्य के बाह्य आवरण को भेदकर उसके भीतर तक पहुँच सकते थे। दुःख हो कि सुख, वे अपना भाव रस उस अनासक्त कृपीवल की भाँति खींच लेते थे जो निर्दलित ईक्षुदण्ड से रस निकाल लेता है ।

प्रश्न 12- धर्मवीर भारती जी द्वारा रचित "काले मेघा पानी दे" का सार अपने शब्दों में लिखें। **5x1=5**

अथवा

महादेवी वर्मा द्वारा रचित संस्मरणात्मक रेखाचित्र "भक्तिन" में वर्णित भक्तिन का चरित्र-चित्रण करें।

प्रश्न 13- निम्नलिखित लघु प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 3×3=9

(क) कवि किस-किस को और क्यों प्रणाम करता है ?

(ख) 'विसर्जन ही पारावार से क्या आशय है? (कौन पहुँचा देगा उस पार)

(ग) 'वह तोड़ती पत्थर' कविता का उद्देश्य लिखें।

(घ) 'साँप' कविता में विष शब्द की व्यंजना स्पष्ट करें ।

(ङ) 'बिजली की तरह कभी मत गिरना' का भावार्थ स्पष्ट करें।

(च) 'मेरा गाँव' कविता में कवि स्मृतियों में किसे तलाशता है?

प्रश्न 14- निम्नलिखित लघु प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3x3=9

(क)- भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गईं?

(क) बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है?

(ग) जीजी ने इंद्रसेना पर पानी फैकें जाने को किस तरह सही ठहराया?

(घ) लेखक ने शिरीष को कालजयी अवधूत की तरह क्यों माना है?

(ङ) इंद्रसेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती हैं?

(च) भक्तिन द्वारा शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका ने दिया है?

प्रश्न 15- वस्तुनिष्ठ प्रश्न 1x10=10

(i) भारतेन्दु युग का समय कब से कब तक माना जाता है?

(ii) छायावाद युग का नाम किसने दिया है?

(iii) प्रयोगवाद के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखें।

(iv) 'वह तोड़ती पत्थर' में कवि ने महिला को कहाँ देखा ?

(v) 'साँप' कविता में सांप किसका प्रतीक है?

(vi) 'मेरा गाँव' कविता में कवि का गाँव कहाँ छूट गया?

(vii) भक्तिन किस विधा की गद्य रचना है?

(viii) किसकी गर्मी बाज़ार से अधिक सामान खरीदने पर विवश करती है?

(ix) इन्द्र सेना द्वारा जल का दान मांगने का लेखक ने क्या कारण माना है?

(x) शिरीष की तुलना किस से की गई है?

नोट:- किसी भी कवि/लेखक के जीवन से संबंधित कोई प्रश्न नहीं पूछा जाएगा।